ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

जब बापदादा को साथ में रखते हैं अकेले नहीं बनते हैं बाप को सदा साथी बनाके रखते हैं तो यह मन बुद्धि संस्कार किसी की भी ताकत नहीं जो कन्ट्रोल में नहीं रहे। इसीलिए बापदादा शक्तियों को सदा कहते हैं कि अपने कौन से स्वरूप को याद रखो जो कभी भी बाप का साथ भूल नहीं जाए? वह है हम शिवशक्ति हैं। शिव और शक्ति साथ है। यह स्मृति मायाजीत प्रकृतिजीत स्वत: बना देती हैं क्योंकि बापदादा ने सुना दिया है कि वर्तमान समय प्रकृति अपना कार्य करती रहती है क्योंकि प्रकृति को भी मनुष्य आत्मायें तंग करते हैं तो प्रकृति भी तंग करती है। **आजकल देखते हो कि प्रकृति कहाँ न कहाँ अपना कार्य करती रहती है लेकिन आप प्रकृतिजीत बन प्रकृति को भी सतोप्रधान बना रहे हो। लोग तो प्रकृति की हलचल देख डरते हैं कि कल क्या होगा! लेकिन आप जानते हो कि अच्छे ते अच्छा होगा क्योंकि अभी यह संगमयुग सृष्टि चक्र का अमृतवेला चल रहा है। तो अमृतवेले के बाद क्या होता है? सवेरा। अंधकार खत्म हो रोशनी आ जाती तो आपको खुशी है कि अभी हमारा राज्य सुखमय संसार जहाँ प्रकृति भी सुखमई है वह राज्य आया कि आया। खुशी है ना!**

AMRITVELA

When you keep BapDada with you and you do not become alone, when you constantly keep the Father as your Companion, then neither your mind, nor intellect nor sanskars has the power not to be under your control. This is why BapDada always says to the Shaktis: Which form of yours should you always remember so that you never forget the Father's company? That form is: I am a Shiv Shakti. Shiv and Shakti are combined. This awareness automatically makes you a conqueror of Maya and a conqueror of matter because BapDada has already told you that at present the elements of matter are continuing to do their work. Because human souls have troubled the elements of nature, they are also troubling human souls. **Nowadays, you are seeing that the elements are carrying out their work somewhere or other but you are becoming conquerors of matter and making the elements satopradhan. People are afraid on seeing the upheaval of the elements and are wondering what will happen tomorrow. You know that the best of all will take place because it is now the confluence age, the Amrit vela of the world cycle. What comes after Amrit vela? Morning. Darkness finishes and there is light. You are now happy that your kingdom of the world of happiness, where nature also gives happiness, has now almost come. You have this happiness, do you not?**

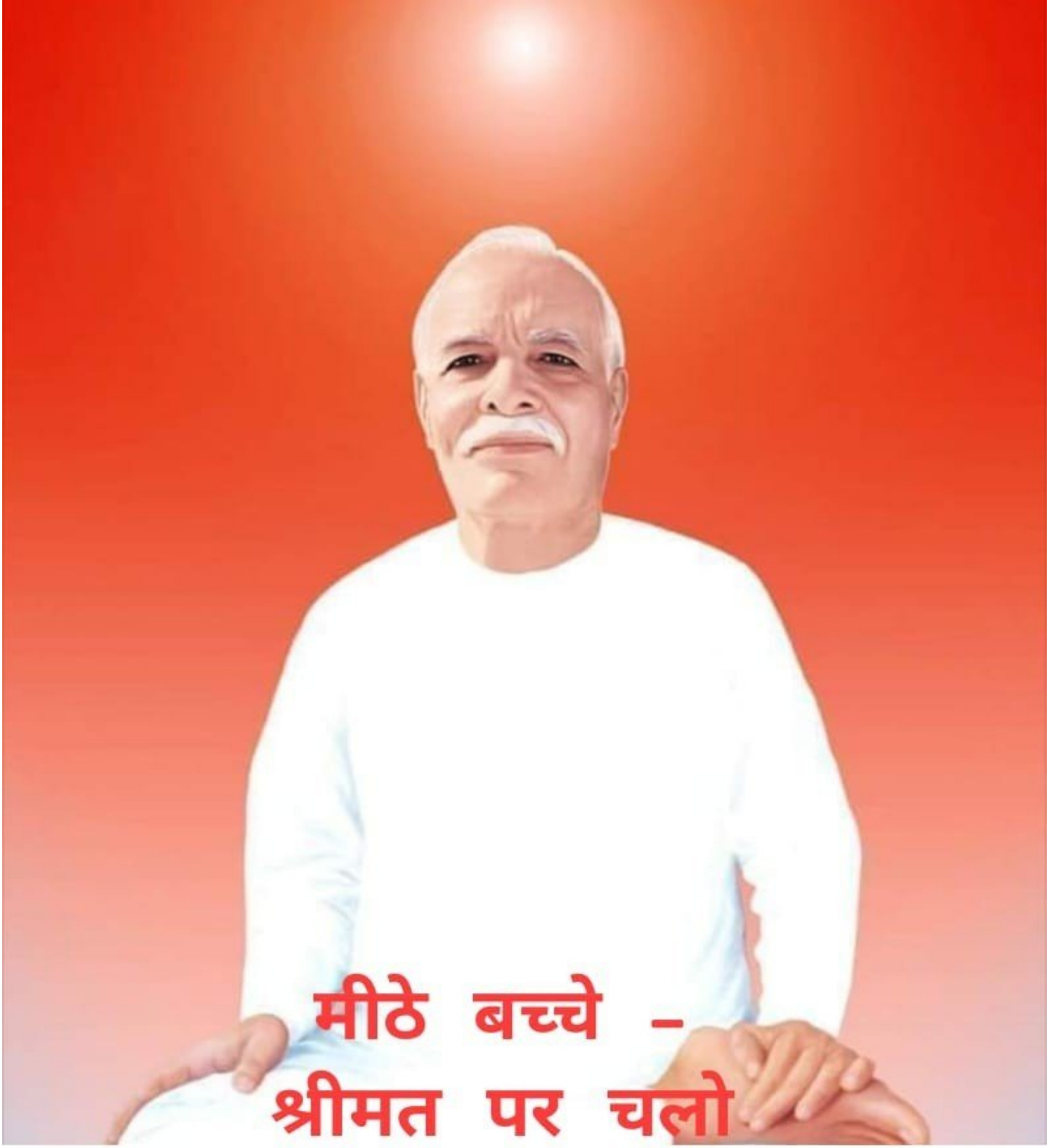

तो तुम्हारे सब भण्डारे भरपूर हो जायेंगे, तुम्हारी तकदीर ऊंची बन जायेगी

Avyakt Murli Study!

"विधाता, वरदाता-पन की स्टेज"

DATE: 20-05-1971

आप सभी भी बाप समान वरदातामूर्त बन जाते हो। तो इतनी चेकिंग करते हो? एक संकल्प भी किसके प्रति न हो, जो भी संकल्प उठता है उसमें बाप के प्रति कुर्बान का, वारी जाने का रहस्य भरा हुआ हो। ऐसी चेकिंग करते रहो तो फिर माया सामना करने का साहस रख सकेगी? सामना करने का साहस नहीं रखेगी, लेकिन बार-बार नमस्कार कर विदाई लेगी। समझा?

तो ऐसा बनने के लिए इतनी चेकिंग चाहिए। और दूसरी बात - वरदानीमूर्त बनने के लिए सर्व शक्तियों को अपने में देखना चाहिए कि इतना स्टॉक जमा किया है जो दूसरे को दे सकूं? अगर जमा ही नहीं किया होगा तो दूसरे को क्या देंगे! तो वरदानीमूर्त बनने के लिए सर्व शक्तियों को अपने में इतना जमा करना पड़े जो दूसरे को दे सकें। इतना जमा का खाता है? वा कमाया और खाया, यह रिजल्ट है? एक होता है कमाया और खाया - दूसरा होता है जमा करना और तीसरा होता है जो इतना भी नहीं कमा सकते जो स्वयं को भी चला सकें, दूसरे की मदद ले अपने को चलाना पड़ता। तो तीसरी स्टेज वा दूसरी स्टेज से पार हुए हो? वह है कमाया और खाया। और पहली स्टेज है जमा करना। तो रोज अपना बैंक बैलेन्स देखते हो? बहुत भिखारी भीख मांगने के लिए आयेंगे। तो इतना ही जमा करना पड़े जो सभी को दे सको। जमा करना सीखे हो? कितना जमा किया है, खाते से तो पता लग जाता है ना। अपना खाता देखा है? कई ऐसे भी होते हैं जो निकाल कर खाते जाते हैं, मालूम नहीं पड़ता है। फिर जब अचानक खाता देखते हैं तो समझते हैं कि यह क्या हो गया! ऐसे तो यहाँ होंगे ही नहीं।

NOTE: आज आप सभी इस मुरली को अवश्य पढ़ें।

Achanak Aur Eveready

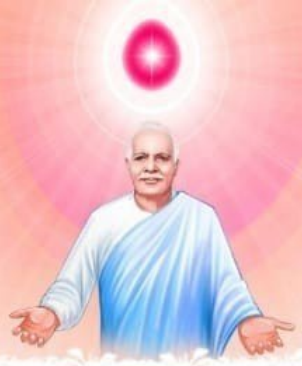

सम्पूर्णता की ओर

कोई भी कार्य में सफलता प्राप्त करने का सहज साधन है संगठित रूप में सबके शुभ संकल्प, उमंग-उत्साह के संकल्प। ऐसे संकल्प असफलता को मिटा देते है। जैसे किला कमजोर तब होता है जब एक भी ईट हिलती है। यदि सब ईटे मजबूत है तो किला कभी हिल नहीं सकता। तो संगठन में सबका उमंग-उत्साह और श्रेष्ठ संकल्प हो, सहयोग हो तो सफलता हुई पड़ी है। यदि किसी भी कार्य में उमंग-उत्साह नही तो थकावट होगी और थका हुआ कभी सफल नहीं हो सकता।

Brahma Kumaris

आज का सुगन्धित पुष्प

Fragrant Flower For Today

आप सेवा में तन-मन-धन से सहयोगी बनते हो।

आप सहजयोगी हो। 😊

You become cooperative in service with your body, mind and wealth.

You are an easy yogi! 😊

एक दिन में भी बाप के वर्से के अधिकारी बन सकते हैं

बापदादा- 23.10.1999

अगर बाप समझकर कनेक्शन जोड़ा तो एक दिन में भी वर्सा ले सकता है। ऐसे नहीं कि हाँ अच्छा है, कोई शक्ति है, समझ में तो आता है...यह नहीं। वर्से के अधिकारी बच्चे होते हैं। समझने वाले, देखने वाले नहीं। अगर एक दिन में भी दिल से बाप माना तो वर्से का अधिकारी बन सकता है।

स्लोगन:-अपने मस्तक की मणी द्वारा स्वयं का स्वरूप और श्रेष्ठ मंजिल का साक्षात्कार कराना ही लाइट हाउस बनना है

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org